शंखेश्वर जी जाओ प्रभु पारस के गुण गाओ

शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ,
प्रकट प्रभावी पारस जी से मनवांछित फल पाओ ।
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ..

भटकना छोड़ो यूं दर दर पे तुम,
प्रभु पारस की शरण में आओ ।
न भागो भाई दु:खो से डरके,
हर एक चौखट पे ये सर ना झुकाओ ।
पांचवा आरा हैं ही दु:खो का, भक्ति से कर्म खपाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ।।

करम का राजा रहम नहीं करता,
किसी भी प्राणी को वो ना छोड़े ।
नहीं मिलती हैं दु:खो से मुक्ति,
बिना कर्मो के फलों को भोगे ।
हंसते हुए जो कर्म हैं बांधे, समता से खपाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ।।

प्रभु पारस पे भरोसा कर लो,
मिटेंगे दु:खडे सभी जन्मो के ।
प्रभु की मस्ती करो मस्ती में,

मगन हो जाओ प्रभु चरणों में ।
'नाकोड़ा दरबार' 'प्रदीप' कहें, श्रद्धा को अटल बनाओ,
शंखेश्वर जी जाओ, प्रभु पारस के गुण गाओ ।।

Source:
https://www.bharattemples.com/sankheshvar-ji-jaao-prabhu-paras-ke-gun-gaao/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw